

श्रीमती ममता चन्द्राकर

Smt. Mamta Chandrakar



पद्म श्री

Padma Shri



राष्ट्रपति से अलंकरण प्राप्त करते हुए

Receiving the decoration from the President

श्रीमती ममता चन्द्राकर

आल इंडिया रेडियो, रायपुर में उपनिदेशक, कार्यक्रम के रूप में पदासीन श्रीमती ममता चन्द्राकर एक प्रसिद्ध कलाकार है जिनको आल इंडिया रेडियो में विभिन्न क्षमताओं में कार्य करते हुए कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए जाना जाता है।

2. आपका जन्म 3 मई, 1958 को दुर्ग में हुआ तथा आप स्वर्गीय दाऊ महासिंग चन्द्राकर की पुत्री हैं जो स्वयं छत्तीसगढ़ के लोक संगीत विशेषतः नाचा लोक संगीत के क्षेत्र में अग्रणी थे। आपने बचपन से ही संगीत सीखना शुरू कर दिया था। आपने नौ वर्ष की अल्प आयु से ही गाने गाना शुरू कर दिया था। स्कूल की शिक्षा पूरी करने के पश्चात आपने इन्दिरा कला एवं संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ से शास्त्रीय संगीत में स्नातकोत्तर (एम.ए.) किया। आपने 1983 में आल इंडिया रेडियो में कार्यक्रम कार्यपालक अधिकारी के रूप में कार्य किया जिसमें राज्य के दो तिहाई श्रोताओं की शिक्षा, सूचना एवं कला मनोरंजन आवश्यकताओं की आपने पूर्ति की।

3. आपने नौ वर्ष की आयु से ही संगीत जगत में प्रवेश करने के पश्चात, स्टेज में कला रंगमंच में दर्शकों के समक्ष कला प्रदर्शन द्व ारा तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए एक गौरवशाली विरासत को सुरक्षित, संरक्षित एवं सृजित करके अपने पिता द्वारा प्रदर्शित मार्ग का अनुपालन किया है। आप गुरू शिष्य परंपरा द्वारा भविष्य के लिए अपने शिष्यों को भी तैयार कर रही हैं ।

4. आपने कई शहरों में प्रसिद्ध संगीत समारोहों में छत्तीसगढ़ी लोक संगीत प्रस्तुत किया है। आपके द्वारा प्रस्तुत प्रत्येक मंच प्रदर्शन ने केवल दर्शकों का मनोरंजन करता है परंतु इन प्रदर्शनों द्वारा आप शिक्षा समाज की कुरीतियों के विरूद्ध प्रेरणादायी संदेश देती है जो कि अंततः समाज के सुधार में योगदान करता है। आपने लगभग 600 छत्तीसगढ़ी लोक गाने गाए हैं जो कि एलबम के रूप में उपलब्ध हैं और साथ ही साथ आपको 10 अति प्रसिद्ध छत्तीसगढ़ी फीचर फिल्मों के गानों को गाने का श्रेय भी प्राप्त है।

5. आपको विभिन्न सम्मानों एवं पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है जिसमें 2004 में रामचन्द्र देशमुख बहुमत सम्मान, बिलास सम्मान, दाऊ रामचन्द्र देशमुख सम्मान, 2003 में छत्तीसगढ़ फिल्म निर्माण विकास समिति, संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ सरकार द्व ारा सर्वोत्तम गायक पुरस्कार, 2002 में रंग झंझार सिने पुरस्कार द्वारा सर्वोत्तम गायक पुरस्कार तथा 2012 में छत्तीसगढ़ की महिला विजेताओं का पुरस्कार शामिल है। आपने आल इंडिया रेडियो कार्यक्रमों के लिए भी गाने गाए हैं तथा उन्हें संगीतबद्ध भी किया है जिसमें आपको आकाशवाणी राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। लोककला एवं संगीत के क्षेत्र में आपके अमूल्य योगदान के लिए आपको माननीय राष्ट्रपति के द्वारा छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा वर्ष 2012 में संस्थापित दाऊ मनदराजी सम्मान प्रदान किया गया। वर्ष 2013 में उनको छत्तीसगढ़ रत्न प्रदान किया गया। वर्ष 2014 में आपको इन्दिरा कला एवं संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ द्वारा "डी लिट" की मानद उपाधि प्रदान की गई।

Smt. Mamta Chandrakar

Smt. Mamta Chandrakar, the Deputy Director of Programmes in All India Radio, Raipur is an artiste widely acclaimed for her contribution to the field of art and culture, music and literature while working in All India Radio in different capacities.

2. Born on May 3, 1958 in Durg, daughter of late Dau Mahasing Chandrakar who himself was one of the pioneers in the field of folk music of Chhattisgarh specially NACHA. Smt. Chandrakar started learning music from childhood. She started singing songs at the tender age of nine years. After school education she did M.A. in vocal music from Indira Kala Evam Sangeet Vishvavidyalay, Khairagarh. Soon after completing her formal education she joined All India Radio as Programme Executive in 1983 catering the education information and entertainment needs of the listeners of two third area of the state.

3. Smt. Chandrakar, since stepping in the world of music at the age of nine years, never stopped. Since 49 years she is still following the path shown by her father by collecting, presenting on stage before audience, preserving, conservation and creating a vast heritage for coming generations. She is also preparing her disciples for future in Guru Shishya parampara.

4. Smt. Chandrakar has presented Chhattisgarhi folk songs in many cities in prestigious music festivals. Every stage performance by her not only entertains the audience but through these performances she also takes the opportunity to dissipate the educational, motivational messages against evil practices prevailing in the society thus contributing effectively to the social cause. She has sung approximately 600 Chhattisgarhi folk songs which are available in the form of albums, along with 10 super hit Chhattisgarhi feature films to her credit for singing the songs.

5. Smt. Chandrakar is the recipient of numerous awards and honours including Ramchandra Deshmukh Bahumat Samman in 2004, Bilasa Samman, Dau Ramchandra Deshmukh Samman, the Best Singer award by Chhattisgarhi Film Nirman Vikas Samiti, Department of Culture, Govt. of Chhattisgarh in 2003, Best singer by Rang Jhanjhar Cine Awards in 2002 and Women Achievers of Chhattisgarh award in 2012. She also arranged music and sang songs for AIR programmes which have won Akashvani Annual Awards. For her invaluable contribution in the field of Folk art and Music she was honoured with Dau Mandaraji Samman, an award instituted by State Govt. of Chhattisgarh in 2012 by the hands of Hon. President of India. In the year 2013 she was entitled with Chhatissgarh Ratna. She was conferred with honorary degree of "D.Litt." by Indira Kala Evam Sangeet Vishvavidyalaya, Khairagarh In the year 2014.